भगवान की श्रीमत है...अभी अभिमान से मुक्त हो जाओ...

हम आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर हैं और अध्यात्म का एक प्रैक्टिकल स्वरूप होता- अहंकार को छोड़ देना, नम्रचित्त हो जाना। आपने सुना होगा दुर्वासा ऋषि धनुष भंग होने पर जब क्रोध करने लगे तो लक्ष्मण ने उन्हें क्या कहा था? तुलसीदास की चौपाई है- संत नहीं होत अभिमानी। संत कभी अभिमानी नहीं होते हैं। हम सब भी सच्चे संत बने हैं, पवित्र बने हैं। हमें अपनी पवित्रता में पूर्ण विश्वास है, उसका स्वमान अवश्य होना चाहिए। अहंकार को छोड़ना, ये प्रभु आज्ञा है। स्वमान से अभिमान नष्ट हो जाता है। मैं रीयल में कौन हूँ, जब हमें ये आभास होने लगता है तो मैं-मैं खत्म हो जाता है। मनुष्य के बहुत संकल्प उसके अहंकार के कारण चलते हैं। अहंकार का एक रूप मैंपन और साथ में मेरापन भी होता है। मेरापन जो मोह को पैदा करता है।

बाबा के कभी महावाक्य सुने थे। बहुत साल हो गये कि 10 मिनट योग में बैठो और अपने को चेक करो कि मेरे संकल्प कहाँ जा रहे हैं,तो पता चलेगा। संकल्पों का इधर-उधर भागने का कारण, मैंपन और मेरापन ही है इनको समाप्त कर दो। अभी इनको समाप्त करना है तो गहरी साधना परंतु हम लोगों को साधना मालूम है और हमारे लिए बिल्कुल सहज है। इसलिए मैंपन और मेरेपन को समाप्त करेंगे। हम देह अहंकार को छोड़ते जा रहे हैं। इसकी पहली विधि तो सबको मालूम है, हमको मालूम है कि मैं देह हूँ ही नहीं। अंहकार मनुष्य को विभिन्न प्रकार का रहता है। किसी को देह का अंहकार, सुंदर देह है उसको ही सजाने-संवारने में लगे हैं। अपने देह का खुद ही बहुत आकर्षण रहता है। सारे दिन ख्याल रहता है कि मैं अच्छा तो दिख रहा हूँ, अच्छी तो हूँ। कपड़े वैसे ही पहनेंगे, श्रृंगार वैसा ही करेंगे। इसमें टाइम कितना जाता है और मान लो किसी ने कह दिया कि तुम तो अच्छी नहीं लग रही हो आज, तो फिर क्या होता है? हमारे पास एक व्यक्ति था लोगों ने उसकी नब्ज देख ली थी,उसको भगाते रहते थे। नये कपड़े पहनकर आया। अरे भई! क्या कपड़े पहने हैं दादी देखेंगी तो तुम्हें क्या कहेंगी, ये कोई कपड़े होते हैं! बेचारा सज-धज कर आया था, उसको लगा मैंने कुछ गड़बड़ की हुई है। गया दूसरी ड्रेस पहनकर आया, फिर दूसरा ग्रुप तैयार था- 10-15 मिनट के बाद उसने कहा अरे! ये क्या पहना है तुमने सन्यासियों जैसा कपड़ा। ये कोई कपड़े होते हैं? तुम्हारी पर्सनैलिटी के अनुसार तो ये कुछ भी नहीं हैं। फिर बेचारा भागा शायद मैंने गलत पहन लिया। और अच्छा करके आया। फिर तीसरा ग्रुप मिला कुछ समय के बाद फिर उसने भी कुछ कह दिया। फिर भागा गया।

आखिर में मैंने एक दिन उसको समझाया कि कपड़े कौन देखता है, चेहरा देखते हैं लोग, कई सन्यासी सीधा-सादा बैठे रहते हैं। चेहरे पर तपस्या की झलक होती है। लोग उनके कपड़ों को देखते हैं क्या? हमसे भी कई लोग बिल्कुल साधारण सफेद कपड़े पहने रहते हैं, कोई सूट-बूट नहीं। चेहरा आकर्षित करता है लोग देखते ही नहीं है क्या पहना हुआ है। अब हमें इस तरह का देह

जब से मैंने सुना था तब से ये बात बहुत प्रिय लग गई थी मुझे। बाबा ने कहा जो कुछ भी तुम्हारे पास है वो सब ईश्वरीय देन है। मन भावन महावाक्य है भगवान का। ये सब कुछ उसने दिया हमें।

अभिमान रहता है तो एक्सपेक्टेशन्स(उम्मीद) ये भी रहती है कि लोग हमें एप्रीशिएट(प्रशंसा) करें। अगर कोई प्रशंसा न करे तो संकल्प चलने लगेंगे कि यहाँ तो सब मगन हैं अपने-अपने में, स्वार्थी हो गये हैं सब। किसी को नाम-मान-शान का, मेरा बहुत नाम है इसका अभिमान, किसी को तो ये भी हो जाता है कि मैं बहुत अनुभवी हूँ। मुझे बहुत समय से ज्ञान मिला हुआ है भगवान का। भगवान को पहचाना है तो इन सबको हमें पीछे छोड़ना है, नहीं तो ये सब व्यर्थ संकल्पों के कारण बन जाते हैं।

अब इस मैंपन के कारण, इस अभिमान के कारण, व्यक्ति की मान की इच्छा बहुत रहेगी और मान सब जगह मिलेगा नहीं ये भी निश्चित है। मान नहीं मिलेगा तो व्यर्थ संकल्प बहुत चलेंगे। देखा मुझे पूछा ही नहीं गया, छोटों-छोटों को मान दिया जा रहा है। मेरी तरफ तो देखा ही नहीं, मेरा स्वागत ही नहीं हुआ। छोटे-छोटे संकल्प की लहर, चेन बहुत लम्बी-चौड़ी चलती रहेगी। इसलिए एक संकल्प कर लें, देखें एक ही संकल्प अनेक संकल्पों को काटने वाला होता है। संकल्प कर दें कि भगवान मुझे मान दे रहा है। भगवान की श्रीमत है अभी इस अभिमान से मुक्त हो जाओ। जन्म-जन्म इसी में तो तुम रहे हो, नीचे उतरते आये हो, गिरते आये हो। तुमने अपने सुख-चैन भी खो दिये हैं। छोड़ो इसको, अब मुझे भगवान की आज्ञा माननी है तो देखो एक लाइन केवल, अब मुझे भगवान की आज्ञा माननी है। हमें कई तरह के संकल्पों से मुक्त कर देगी।

हम सभी अपने चित्त को शांत करेंगे। ये हमारा महत्त्वपूर्ण लक्ष्य है तो ऐसे इधर-उधर की बातें सोचने की आदत हमें अपने अंदर नहीं डालनी है। एक संकल्प बहुत सुंदर रखना है। आपने बहुत बार सुना होगा, लेकिन इसको प्रैक्टिकल में लाना है। तो देखना कि हमारा जीवन कितने आनंद से भर जायेगा। जब से मैंने सुना था तब से ये बात बहुत प्रिय लग गई थी मुझे। बाबा ने कहा जो कुछ भी तुम्हारे पास है वो सब ईश्वरीय देन है। मन भावन महावाक्य है भगवान का। ये सब कुछ उसने दिया हमें। अच्छे काम करने वाले भी बहुत हैं दुनिया में लेकिन मान नहीं मिलता है। हमें मान मिल रहा है प्रभु देन है हमारे साथ। बहुत मेहनत करने वाले बहुत हैं। सफलता दूर रहती है। हम सफल हो रहे हैं ये प्रभु की गिफ्ट है, वरदान है सफलता का। हमारा योग बहुत अच्छा लग रहा है। हम जो ज्ञान दूसरों को देते वो उन पर बहुत प्रभाव डालता है। ये सब प्रभु देन है मुझे, उसका बल मेरे साथ है, काम कर रहा है। तो मैं निमित्त हूँ। करनकरावनहार शिवबाबा है, मुझे केवल करना है। मैं निमित्त मात्र हूँ। उसकी शक्तियाँ मेरे साथ न जुड़ी हों तो हम बहुत सारे अच्छे काम कर नहीं पाते हैं। ऐसे सुंदर संकल्पों से अपने चित्त को शांत करेंगे। स्वमान में रहने से सम्मान स्वतः ही मिलेगा। स्वमान में रहने से ये अभिमान स्वतः ही नष्ट होता जायेगा। हमारा स्वमान हमें जगाता है। हमें याद दिलाता है कि तुम्हें कितने बड़े-बड़े काम करने हैं। तुम भगवान के राइट हैण्ड हो, अगर तुम व्यर्थ में रहोगे तो तुम बड़े-बड़े काम कैसे करोगे। अपने को सुंदर संकल्प देते रहें, बड़े काम करने हैं हम बड़े बाप के बच्चे हैं। हमारे विचार भी बहुत बड़े होने चाहिए। काम भी हमें बड़े ही करने हैं। इन संकल्पों में रमण करने से व्यर्थ का प्रकोप समाप्त हो जायेगा। चित्त शीतल और शांत हो जायेगा। जीवन की यात्रा का परम आनंद अनुभव होगा।

करेली-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव उपहार भवन द्वारा शिव मंदिर प्रांगण विद्युत कॉलोनी में महाशिवरात्रि एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित विशाल आध्यात्मिक सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. कुसुम दीदी,जिला संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़ नरसिंहपुर, कैलाश सोनी,राज्यसभा सांसद, सुशीला ममार,नगर पालिका अध्यक्ष, श्रीदेवी बनवारी,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष तथा निशा सोनी,जिला अध्यक्ष,बीजेपी महिला मोर्चा।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग के अखिल भारतीय अभियान 'पारिवारिक सशक्तिकरण' के तहत आयोजित 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विमला बहन। मंचासीन हैं सुमित्रा वाल्मीकि,राज्य सभा सांसद, वर्षा शुक्ल पाठक,डिप्टी डायरेक्टर,केंद्रीय संचार ब्यूरो तथा अन्य।

बसना-छ.ग.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' कार्यक्रम में रूपकुमारी चौधरी,पूर्व विधायक, कुमारी चंद्राकर,मुख्य थाना प्रभारी, पदमलया बहन,वेलनेस सेंटर, अंजली बहन, ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. भुवनेश्वरी बहन तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

गांधीनगर से.28-गुज.। गांधीनगर के प्रथम हिन्दी वेब न्यूज़ चैनल 'तशविरे गांधीनगर' की एंकर कुमारी रिया निमावत के जन्म दिवस को अनोखी रीति मनाते हुए तशविरे गांधीनगर द्वारा ब्रह्माकुमारीज़, तेज आई सेंटर, इंडियन रेड क्रॉस गांधीनगर जिला शाखा एवं स्काई सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज़ पीस पार्क हॉल में आयोजित निःशुल्क मेडिकल कैम्प में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कैलाश दीदी, अश्विन त्रिवेदी, डॉ. हार्दिक पटेल, डॉ. सतीश परमार, महेन्द्र गज्जर, डॉ. हार्दिक तलाटी, रोट्री क्लब के प्रमुख पार्थ ठक्कर, पूर्व काउंसलर हर्षाबा धांधल, तशविरे गांधीनगर चैनल के मालिक कश्यप निमावत, डॉ. बोनी गज्जर, डॉ. देवी गज्जर, रोटेरियन किंजल त्रिवेदी, डॉ. अनीस पारिख आदि उपस्थित रहे।

सारंगपुर-म.प्र.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नीलेश वर्मा,नगरपालिका उपाध्यक्ष, मांगीलाल सोलंकी, आत्माराम पाटीदार,पूर्व कॉलेज प्राचार्य, महेश शर्मा,समाजसेवी, रामविलास यादव,सरस्वती ज्ञान मंदिर हाई स्कूल प्राचार्य, लक्ष्मण दादा पुष्पद,माली समाज अध्यक्ष, बाबूलाल अहिरवार,पार्षद आदि अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करने के पश्चात् साथ हैं ब्र.कु. भाग्यलक्ष्मी बहन।

बिलासपुर-राजकिशोर नगर(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव अनुराग भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' कार्यक्रम में पुलिस उप-अधीक्षक मंजूलता केरकेट्टा, ब्र.कु. मंजू दीदी, ब्र.कु. प्रीति बहन, रेलवे से संगीता द्विवेदी, रीना झा, पुलिस कॉन्स्टेबल शकुंतला साहू, अपर्णा सरकार सहित अन्य महिलाएं व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैतूल-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली स्नेह मिलन समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं बायें से ब्र.कु. मंजू बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका, प्रेरणा शर्मा,अखिल भारतीय विप्र महासभा प्रदेशाध्यक्ष, पार्वती बाई बारस्कर,नगर पालिका अध्यक्ष, विद्या निर्गुणकर,इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में नामित, साधना मिश्रा,डीआईडी सुपर मॉम की फर्स्ट रनर अप, गंगा उईके,पूर्व सदस्य राज्य महिला आयोग म.प्र., सृष्टि भार्गव,एसडीओपी तथा अपाला सिंह,थाना प्रभारी रानीपुर।

नरसिंहपुर-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'खुशहाल महिला, खुशहाल परिवार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्पणा शर्मा, मजिस्ट्रेट सविता वर्मा, मजिस्ट्रेट परिधि शर्मा, जेल अधीक्षक शेफाली तिवारी, समाजसेवी एवं पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष संध्या कोठारी एवं विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली लगभग 200 से अधिक महिलाओं सहित ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. विधि बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

मुंद्रा-कच्छ(गुज.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अदानी फाउंडेशन, जिला पंचायत संचालित पशु हॉस्पिटल एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में आदर्श पशुपालक महिला हीर गढ़वी को मोमेंटो देकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. सुशीला बहन एवं अदानी फाउंडेशन की गुजरात हेड पंक्ति बहन शाह। इस मौके पर कच्छ जिला पशुपालन विभाग के नायक नियामक डॉ. हरेश उक्कर,वेटरनरी ऑफिसर, मुंद्रा पशु हॉस्पिटल के डॉ. नीलेश डांगेर, देक्ल बहन गढ़वी,प्रोजेक्ट ऑफिसर,वुमेन एम्पॉवरमेंट ऑफ कच्छ सहित तालुका से 140 आदर्श महिलायें उपस्थित रहीं।